सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 136 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 20 जून, 2024
मूल्य ₹ 3/-

मनुष्य को दया कभी नहीं छोड़नी चाहिए क्योंकि दया ही धर्म का मूल है और इसके विपरीत अहंकार समस्त पापों की जड़ होता है।

-गोस्वामी तुलसीदासजी

सुपर-8 में इंग्लैंड की पहली... 7 | प्रियंका के फैसले ने भाजपा की... 3 | भगवान भरोसे चल रहे हैं यूपी के... 2

अब यूजीसी-नेट परीक्षा को लेकर विपक्ष के निशाने पर एनडीए सरकार

शिक्षा मंत्रालय के परीक्षा रद्द करने के एलान पर मचा सियासी घमासान

» शिक्षा मंत्रालय ने की सीबीआई जांच कराने की घोषणा

» गृह मंत्रालय को गड़बड़ी के इनपुट मिले थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट का विवाद अभी खत्म भी नही हुआ अब यूजीसी नेट परीक्षा में भी धांधली की खबर से देश में फिर भूचाल मच गया है। विपक्ष ने इस पूरे मामले पर एनडीए की मोदी सरकार को घेर लिया है। कांग्रेस, राजद व आप ने शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की मांग की है। उधर विपक्ष ने इन मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया है। कांग्रेस ने इस मामले पर शिक्षा मंत्री को जिम्मेदारी लेने को भी कहा है।

वहीं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द का फैसला किया है। अब दोबारा यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिसके लिए अलग से तारीख की घोषणा की जाएगी। प्रथम दृष्टया गड़बड़ी के संकेत मिलने के बाद परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया गया है। उच्च शिक्षा विभाग के तहत काम करने वाली स्वायत्त एजेंसी एनटीए ने मंगलवार को ही यूजीसी-नेट परीक्षा करवाई थी। गृह मंत्रालय की राष्ट्रीय साइबर अपराध खतरा विश्लेषण इकाई से गड़बड़ी के संकेत मिलने के बाद परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया गया। एनटीए ने यूजीसी-नेट परीक्षा 18 जून, 2024 को देश के विभिन्न शहरों में दो चरणों में ओएमआर (पेन और पेपर) मोड में आयोजित की थी। इन जानकारियों से प्रथम दृष्टया संकेत मिला कि परीक्षा की सत्यनिष्ठा से समझौता किया गया होगा।

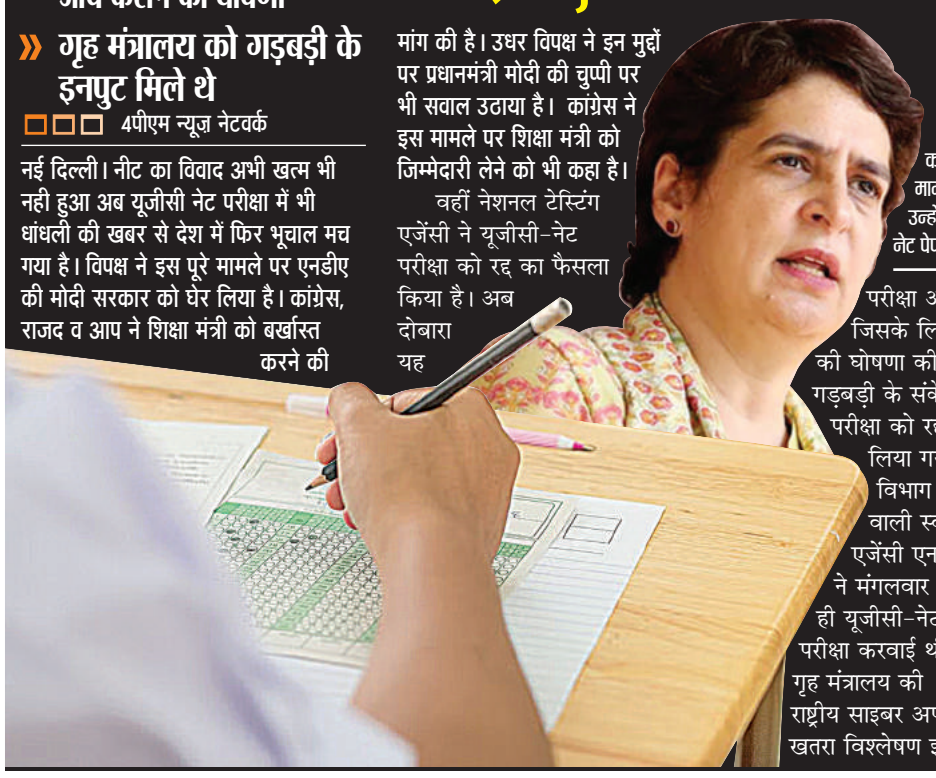

विपक्ष बोला- शिक्षा मंत्री को हटाया जाए

कांग्रेस, आप व राजद ने प्रधानमंत्री की चुप्पी पर उठाए सवाल

जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए : प्रियंका

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने भी शिक्षा मंत्रालय को आड़े हाथों लिया है। इस मामले पर प्रियंका गांधी ने शिक्षा मंत्रालय के आदेश के बाद सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस मामले पर जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यूजीसी नेट पेपर को गृह मंत्रालय के फैसले के बाद रद्द कर दिया गया है।

बीजेपी राज में पेपर लीक तय : तेजस्वी यादव

आरजेडी ने कहा है कि यूजीसी-नेट परीक्षा भी रद्द हो चुकी है। जैसा कि तेजस्वी यादव ने कहा था कि बीजेपी के राज में हर परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होना 100 प्रतिशत तय है। धांधली हर परीक्षा में हो रही है, सभी ऑनलाइन परीक्षाओं में सिस्टम हैक कर के सेटिंग हो रहा है, पर गड़बड़ी को सिरे से नकार कर परीक्षाएं रद्द नहीं की जाती हैं।

फिलहाल काउंसलिंग पर रोक नहीं लगेगी : सुप्रीम कोर्ट

नीट यूजी 2024 की परीक्षा और इसके रिजल्ट को लेकर विवाद जारी है। इस बीच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ट्रांसफर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए अहम टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर सुनवाई के दौरान कहा कि हम ये समझ रहे हैं कि ये एक गंभीर मामला है, लेकिन इसकी विस्तार से सुनवाई 8 जुलाई को करेंगे। फिलहाल काउंसलिंग पर रोक नहीं लगेगी।

नीट परीक्षा पर कब चर्चा करने आएंगे पीएम : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे नहीं मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में हुई कथित अनियमित्ताओं को लेकर भी सरकार पर हमला किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीट परीक्षा पर कब चर्चा करने आएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया, "नीट परीक्षा कब रद्द होगी?" खरगे ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी, अपनी सरकार की धांधली और नीट परीक्षा में पेपर लीक को रोकने की जिम्मेदारी लीजिए।

लोकसभा अध्यक्ष पद चुनाव के लिए राजनाथ ने सहयोगियों का मन टटोला

» डिप्टी स्पीकर के मुद्दे पर सरकार का विपक्ष से हो सकता है टकराव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा ने लोकसभा स्पीकर के मुद्दे पर एनडीए के घटक दलों के बीच लगभग सहमति बना ली है। भाजपा के उम्मीदवार पर सहयोगी दलों का पूर्ण समर्थन मिल गया है। अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस मुद्दे पर विपक्ष के साथ सहमति बनाने पर जुट गए हैं। सत्ता पक्ष के संख्या बल और सरकार के साथ उसके सहयोगियों से समन्वय को देखते हुए माना जा रहा है कि स्पीकर के मुद्दे पर आम सहमति बन सकती है।

हालांकि, सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच डिप्टी स्पीकर के मुद्दे पर टकराव हो सकता है। इसका बड़ा कारण यह है कि अपने संख्या बल को देखते हुए विपक्ष इस बार इससे कम पर सहमत होने के लिए तैयार नहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 24 जून से शुरु हो रहे संसद सत्र के पहले विपक्षी दलों के नेताओं से सहमति बनाने के लिए बातचीत करेंगे। सरकार की सबसे पहली कोशिश विपक्ष के उन दलों के साथ तालमेल बिठाने का है, जिनसे भाजपा के रिश्ते अपेक्षाकृत बेहतर रहे हैं, लेकिन ये दल इंडिया गठबंधन में भी शामिल नहीं हैं। इनमें बीजेडी, बीआरएस और वाईएसआरसीपी शामिल हैं।

विपक्षी नेताओं से मिलेंगे रक्षा मंत्री

नीतीश सरकार को पटना हाईकोर्ट से झटका

ईबीसी, एससी और एसटी के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण किया खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नीतीश सरकार को पटना हाईकोर्ट ने झटका दिया है. ईबीसी, एससी और एसटी के लिए 65प्रतिशत आरक्षण को खत्म कर दिया है। पटना उच्च न्यायालय ने बिहार आरक्षण को लेकर कानून को रद्द कर दिया है। बिहार सरकार ने पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण 50प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया गया था। जिसे हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया है। इस मामलें में गौरव कुमार व अन्य के दायर याचिकाओं पर पटना हाई कोर्ट ने सुनवाई की।

हाई कोर्ट ने सुनवाई कर फैसला 11 मार्च, 2024 को सुरक्षित रख लिया था। जिसे आज सुनाया गया। चीफ जस्टिस के वी चंद्रन की खंडपीठ गौरव कुमार व अन्य याचिकाओं पर लंबी सुनवाई की थी। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता पीके शाही ने बहस की। उन्होंने कोर्ट को बताया था कि राज्य सरकार ने ये आरक्षण इन वर्गों के पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं होने के कारण दिया था। राज्य सरकार ने ये आरक्षण अनुपातिक आधार पर नहीं दिया था।

राज्य सरकार ने 2023 में पारित किया था आदेश

इन याचिकाओं में राज्य सरकार के 9 नवंबर, 2023 को पारित कानून को चुनौती दी गई थी। इसमें एससी, एसटी, ईबीसी व अन्य पिछड़े वर्गों को 65 फीसदी आरक्षण दिया गया था, जबकि सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए मात्र 35 फीसद ही पदों पर सरकारी सेवा दी जा सकती है।

भगवान भरोसे चल रहे हैं यूपी के अस्पताल : अखिलेश यादव

भाजपा सरकार पर जमकर बरसे सपा प्रमुख, बोले- स्वास्थ्य सेवाएं चरमराईं

अखिलेश ने राहुल गांधी को दी जन्मदिन की बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं भगवान के भरोसे चल रही हैं। सपा मुखिया ने कहा यूपी में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। मौसम की मार और लू लगने से लोगों की लगातार मौतें हो रही हैं। बुखार और संक्रामक बीमारियां बढ़ रही हैं। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। अस्पतालों में दवा और इलाज नहीं मिल रहा है। वहीं, बड़ी संख्या में मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराने पर मजबूर हैं, जहां उनके पैसों की लूट हो रही है।

अखिलेश ने बयान में कहा कि भाजपा सरकार ने समाजवादी सरकार में शुरू की गईं 108 और 102 एम्बुलेंस सेवाओं को बर्बाद कर दिया है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेज के नाम पर सिर्फ अधूरी बिल्डिंग खड़ी है। वहां न डॉक्टर है और न पैरा मेडिकल स्टाफ और न कोई सुविधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने लोगों को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी है। अखिलेश यादव ने राहुल को बधाई देते हुए लिखा था कि राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

यूपी के दो लड़के हिंदुस्तान की राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे : राहुल गांधी

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी जिस पर राहुल ने जवाब दिया है। राहुल ने एक्स पर अखिलेश यादव की पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए लिखा है कि यूपी के दो लड़के हिंदुस्तान की राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे-खटाखट-खटाखट! उनका ये जवाब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। बता दें कि लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस ने सभी को हैरान करते हुए यूपी की 43 सीटों पर जीत हासिल की है। इस जीत ने कांग्रेस को यूपी में संजीवनी दी है तो सपा को भी प्रदेश का सबसे बड़ा दल बना दिया है। सपा ने इन चुनाव में 37 तो कांग्रेस ने छह सीटें जीती।

तेजस्वी यादव को राहुल ने दिया धन्यवाद

राहुल गांधी ने चुनाव के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव पर मोदी के हमले को लेकर भी कटाक्ष किया। तेजस्वी के मछली खाते नजर आने का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसपर मोदी ने तंज कसा था। तेजस्वी को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद देते हुए गांधी ने कहा, ''अगला लंच-कतला या रोहू!'' गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई नेताओं को भी उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया।

उज्ज्वल निकम को फिर से सरकारी अधिवक्ता नियुक्त कर गलत मिसाल कायम कर रही सरकार : नाना पटोले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव में असफल रहे अधिवक्ता उज्जवल निकम को सरकारी वकील के रूप में फिर से नियुक्त करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले ने विवाद पैदा कर दिया है। विपक्षी कांग्रेस का कहना है कि सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला प्रशासन गलत मिसाल कायम कर रहा है।

शिंदे सरकार पर उठाए सवाल

मुंबई उत्तर-मध्य निर्वाचन क्षेत्र से अपने नामांकन से पहले जिन मामलों को वह संभाल रहे थे, उनमें निकम की नियुक्ति पर आपत्ति जताते हुए, महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा, राज्य सरकार ने न्यायिक प्रक्रिया में भाजपा कार्यकर्ता को नियुक्त करने का विकल्प क्यों चुना है? भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने सरकारी वकील के महत्वपूर्ण पद पर एक राजनीतिक दल के कार्यकर्ता को नियुक्त करके एक गलत मिसाल कायम की है। पटोले ने कहा कि शिंदे सरकार को निकम को दोबारा नियुक्त करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। भाजपा ने निवर्तमान सांसद पूनम महाजन को हटाकर निकम को इस सीट से मैदान में उतारा था। हालांकि, कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ ने निकम को 16,514 वोटों के अंतर से हराया। गायकवाड़ को 445,545 वोट मिले, जबकि निकम को 429,031 वोट मिले, जिससे गायकवाड़ मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र से एकमात्र कांग्रेस सांसद बन गए। भाजपा उम्मीदवार के रूप में नामांकन के बाद, निकम ने 29 मामलों से इस्तीफा दे दिया था, जिसमें मुंबई के आठ मामले भी शामिल थे, जिसमें उन्हें विशेष अभियोजक के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने मई में कानून एवं न्यायपालिका विभाग को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। अपनी हार के बाद, निकम को फिर से नियुक्त करने के शिंदे सरकार के फैसले का मतलब है कि वह अब सभी 29 मामलों में महाराष्ट्र सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दलितों पर अत्याचार नहीं रुका तो आंदोलन किया जाएगा : चंद्रशेखर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष और नगीना लोकसभा क्षेत्र से नव निर्वाचित सांसद चंद्रशेखर आजाद ने चेतावनी दी कि उत्तर प्रदेश में दलितों और कमजोर वर्गों के खिलाफ कथित तौर पर किये जा रहे अत्याचार नहीं रोके गए तो समाज के सभी वंचित वर्गों द्वारा राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

अलीगढ़ में हाल में एक दलित युवक की हत्या के विरोध में आयोजित धरने में भाग लेने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए आजाद ने कहा कि एक जून को दलित युवक गौरव (22) का अपहरण और हत्या एक सुनियोजित घटना थी। उन्होंने कहा कि घटना की जांच कर रहे कुछ पुलिसकर्मी इस मामले मेंलापरवाही बरतते रहे हैं और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। आजाद ने आरोप लगाया, यदि पुलिस ने गौरव के अपहरण के तुरंत बाद कार्रवाई की होती तो वह अभी भी जीवित होता। उन्होंने कहा कि पूरे प्रकरण की त्वरित जांच कराये जाने की मांग की।

पीड़ित परिवार को 50 लाख और एक परिजन को सरकारी नौकरी मिले

आजाद ने पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा और एक परिजन को सरकारी नौकरी देने की मांग की। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी केवल धरना-प्रदर्शन कर चैन से नहीं बैठेगी, बल्कि उत्तर प्रदेश की मुख्यधारा की चुनावी राजनीति उतरेगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में आगामी उपचुनावों में अपना उम्मीदवार खड़ा करेगी, जिसमें जिले की खैर विधानसभा सीट पर होने वाला उपचुनाव भी शामिल है।

'टीएमसी मुझसे कोई काम नहीं ले रही'

कांग्रेस में लौटना चाहते हैं पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के पुत्र अभिजीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने कांग्रेस में फिर से शामिल होने की इच्छा जताई है। साल 2021 में टीएमसी में शामिल हुए अभिजीत मुखर्जी ने टीएमसी के कार्यशैली पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि टीएमसी में शामिल होने के बाद मुझे कोई ऐसा काम नहीं मिला। इसलिए मैंने टीएमसी छोड़ने का फैसला कर लिया है।

उन्होंने आगे कहा कि 2.5 साल तक मैंने कांग्रेस द्वारा मुझे जो भी काम दिया गया, उसे पूरा किया। लेकिन उन्होंने मुझे पर्याप्त काम नहीं दिए, चाहे कारण कुछ भी हो। मुझे धीरे-धीरे एक खास व्यक्ति, एक खास समूह द्वारा हाशिए पर डाल दिया गया। इस बीच, ममता दीदी ने मुझे वापस बुलाया क्योंकि मैंने उनसे समय मांगा था। मैं उनसे मिला और उन्होंने मुझे टीएमसी में शामिल होने की पेशकश की।

जल्द कांग्रेस आलाकमान से बात करूंगा

अभिजीत मुखर्जी ने कहा,मैंने सोच लिया कि दिल्ली जाने के बाद मैं कांग्रेस आलाकमान से बात करूंगा। मैंने अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस नेताओं से बातचीत की। अगर आलाकमान मुझे तुरंत पार्टी में शामिल करने के लिए कहते हैं तो मैं शामिल हो जाऊंगा। मैं पूरी तरह से स्वतंत्र हूं और मैं कांग्रेस में अपना योगदान देने के लिए तैयार हूं। अभिजीत मुखर्जी ने कहा,मैं साल 2019 के में कुछ कारणों की वजह से लोकसभा चुनाव हार गया। हार का कारण कांग्रेस आलाकमान को भी पता है। मुझे मालूम है कि मैं किस वजह से चुनाव हारा, लोकिन वो मैं जोर से नहीं कह पाऊंगा।

छत्तीसगढ़ को मणिपुर जैसा बनाना चाहती है भाजपा सरकार : ज्योत्सना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोरिया (छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ़ से इकलौती कांग्रेस सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ की साय सरकार पर बड़ा हमला बोला है। मीडिया से बातचीत के दौरान कोरबा लोकसभा से कांग्रेस सांसद ने कहा है कि छत्तीसगढ़ को मणिपुर जैसा बनाना चाह रही है भाजपा सरकार।

इकलौती कांग्रेस सांसद का भाजपा पर हमला

प्रदेश में भाजपा की सरकार आते ही हिंसा और आगजनी, लड़ाई झगड़े जैसे काम शुरू हो गए हैं। सांसद ज्योत्सना महंत ने कहा कि प्रदेश में कलेक्टर एसपी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी कैसे सुरक्षित रहेगा। इतना ही नहीं ज्योत्सना चरणदास महंत ने कहा है कि देश मे जहां-जहां भाजपा की सरकारें हैं वहां-वहां धर्म की आग लगी हुई है। भाजपा ने धर्म की आग लगाई है, उसे शांत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा है कि आज से 20 साल पहले ऐसे हालात नहीं थे, आज धर्म जाति मजहब के नाम पर एक दूसरे को लड़ाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में बीते दिनों हुए बलौदाबाजार हिंसा पर भी सांसद ज्योत्सना महंत बोली हैं। उन्होंने कहा है कि जिसका नाम ही सतनाम हो, जो सत्य के ऊपर प्रेम के ऊपर बना हो।

प्रियंका के फैसले ने भाजपा की नींद उड़ाई

वायनाड से चुनाव लड़ने के ऐलान से बीजेपी परेशान

- कांग्रेस के फैसले का पड़ेगा दूरगामी परिणाम
- उत्तर में राहुल व दक्षिण में प्रियंका पार्टी को देंगे मजबूती
- बीजेपी नेताओं ने वायनाड कदम की आलोचना की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में अपनी सीटों में बढ़ोत्तरी व वोटिंग प्रतिशत में वृद्धि से उत्साहित कांग्रेस ने अपनी सबसे मुखर नेता व पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी को वायनाड से लोक सभा चुनाव लड़ाने का फैसला किया है। ज्ञात हो कि केरल की यह सीट कांग्रेस नेता राहुल गांधी जीती है। हालांकि वह इसी के साथ यूपी के रायबरेली से भी लड़े थे वहां भी जीत चुके हैं। उन्होंने वह सीट तो बरकरार रखी है जबकि वायनाड सीट छोड़ने इच्छा जताई। उनके इस फैसले के बाद प्रियंका को वायनाड से लड़ाने का फैसला हुआ है। इस फैसले का कांग्रेस ने जहां स्वागत किया है वहीं भाजपा ने विरोध किया है।

उधर सियासी जानकारों का कहना है इस निर्णय का देश की राजनीति पर प्रभाव पड़ेगा। अब उत्तर भारत में राहुल व दक्षिण भारत में प्रियंका कांग्रेस को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाएंगे। खैर आगे क्या होगा ये तो आगे ही पता चलेगा पर इसमे कोई शक नहीं इस फैसले से बीजेपी को जरूर झटका लगा है। बता दे प्रियंका गांधी वाड्रा दशकों से अमेठी और रायबरेली में कांग्रेस पार्टी के लिए प्रचार कर रही थीं, लेकिन 2019 के आम चुनाव से पहले उन्होंने आधिकारिक तौर पर सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। अपने भाई और मां के विपरीत, उन्होंने कभी चुनाव नहीं लड़ा। उधर भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने प्रियंका पर सवाल उठाया और कहा कांग्रेस परिवारवर करती है। भाजपा नेता का जवाब देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने ट्रैक रिकॉर्ड की ओर इशारा किया। जैसे नरेंद्र मोदी ने बेशर्मी से वडोदरा के मतदाताओं से यह बात छिपाई कि वह 2014 में वाराणसी से भी चुनाव लड़ेंगे? खेड़ा ने चुटकी ली। वह गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के 2014 के लोकसभा चुनाव में वडोदरा और वाराणसी से चुनाव लड़ने और दोनों में जीत हासिल करने का जिक्र कर रहे थे। बाद में उन्होंने वडोदरा निर्वाचन क्षेत्र से इस्तीफा दे दिया और वाराणसी सीट बरकरार रखी। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे की इस घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर तीखी नोकझोंक हुई कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में रायबरेली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र बरकरार रखेंगे और केरल में अपनी वायनाड सीट खाली कर देंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड से चुनावी मैदान में उतरेंगी। निर्वाचित होने पर, यह संसद सदस्य के रूप में प्रियंका गांधी वाड्रा का पहला कार्यकाल होगा। इसके अतिरिक्त, यह पहली बार होगा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा एक साथ संसद में काम करेंगे।

प्रियंका को संसद में होना चाहिए और मिलेगी मजबूती : वाड्रा

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा ने वायनाड से अपनी पत्नी प्रियंका गांधी वाड्रा को मैदान में उतारने के पार्टी के कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह जब भी सही समय होगा संसद में उनका अनुसरण करेंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा के भाई राहुल गांधी ने इस महीने की शुरुआत में रायबरेली और वायनाड से लोकसभा चुनाव जीता था। सोमवार को उन्होंने केरल सीट छोड़ने के अपने फैसले की घोषणा की, जिससे उनकी बहन के लिए चुनावी राजनीति में उतरने का रास्ता साफ हो गया। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि सबसे पहले, मैं भाजपा को सबक सिखाने के लिए भारत के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने धर्म आधारित राजनीति की। मुझे खुशी है कि प्रियंका गांधी वायनाड से लड़ने जा रही हैं। उन्हें संसद में होना चाहिए, इसलिए नहीं कि वह प्रचार कर रही हैं बल्कि मैं चाहता हूं कि वह संसद में हों। हालाँकि, वह संकेत देते दिखे कि वह संसद का सदस्य बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, उन्हें मुझसे पहले संसद में होना चाहिए। जब भी सही समय होगा मैं उनका अनुसरण कर सकता हूं। मैं खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि लोग उन्हें अच्छा जनादेश देंगे। लोकसभा चुनाव से पहले रॉबर्ट वाड्रा ने दावा किया था कि देश के कई हिस्सों से उनके लिए गांधी परिवार के गढ़ अमेठी से चुनाव लड़ने की मांग की जा रही थी। उन्होंने कहा कि मुझे इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने की मांग देश के विभिन्न कोनों से आ रही है। लोग मेरी मेहनत को समझते हैं और चाहते हैं कि मैं उनके निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करूं ताकि विकास हो सके और उनके सामने आने वाली समस्याओं का समाधान हो सके।

वंशवादी राजनीति का स्पष्ट उदाहरण : पूनावाला

भाजपा ने वायनाड से प्रियंका गांधी को मैदान में उतारने के कांग्रेस के फैसले की निंदा की और इसे वंशवादी राजनीति का स्पष्ट उदाहरण करार दिया। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, इससे साबित होता है कि कांग्रेस एक पार्टी नहीं बल्कि एक पारिवारिक कंपनी है। उन्होंने वायनाड सीट खाली करने के गांधी परिवार के फैसले को निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं के साथ विश्वासघात बताया और आरोप लगाया कि यह परिवार के भीतर राजनीतिक विरासत को बनाए रखने की एक चाल थी। उन्होंने टिप्पणी की, इससे पता चलता है कि बेटे और बेटी के बीच पहले कौन है। पूनावाला ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने रायबरेली सीट नहीं छोड़ने का फैसला किया क्योंकि ऐसा करने से बाद के उपचुनाव में भाजपा की जीत हो सकती थी।

राहुल ने वायनाड के लोगों को धोखा दिया : सुरेंद्रन

केरल में भाजपा ने वायनाड में प्रियंका गांधी को मैदान में उतारने के कांग्रेस पार्टी के फैसले का मजाक उड़ाना जारी रखा, जिसे राहुल गांधी ने खाली कर दिया था, और कहा कि सबसे पुरानी पार्टी पलक्कड़ विधानसभा क्षेत्र में आगामी उपचुनाव में उनके पति रॉबर्ट वाड्रा पर विचार कर सकती है। भाजपा के राज्य प्रमुख के सुरेंद्रन और वरिष्ठ नेता वी मुरलीधरन ने अपने फैसले पर कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की और आरोप लगाया कि उन्होंने वायनाड के लोगों को धोखा दिया है। वहीं वायनाड से प्रियंका गांधी को मैदान में उतारने पर बीजेपी नेता राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस पर जनता को धोखा देने और अपने इरादे छिपाने का आरोप लगाया। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस पर जनता को धोखा देने और अपने इरादे छुपाने का आरोप लगाया। चन्द्रशेखर ने एक्स से कहा, यह बेशर्मी है और कांग्रेस की तरह की बेशर्मी है - वायनाड के मतदाताओं पर अपने वंश के एक के बाद एक सदस्यों को थोपना - इस तथ्य को बेशर्मी से छिपाने के बाद कि राहुल दूसरे निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे थे। उन्होंने कहा, विश्वासघात के इस पैटर्न के कारण ही कांग्रेस को राहुल गांधी के नेतृत्व में तीसरे चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

संसद में प्रियंका की मौजूदगी से कांग्रेस को लाभ होगा : थरूर

राजनीतिज्ञ का बच्चा नेता ही बनेगा

तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि लोकसभा में प्रियंका गांधी की मौजूदगी से विपक्षी दलों को मजबूती मिलेगी और वायनाड के लोगों को संसद में उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए एक बहुत मजबूत व्यक्ति मिलेगा। थरूर ने नेय्याट्टिनकारा विधानसभा क्षेत्र में अपने आभार जताने के अभियान के दौरान कहा कि प्रियंका चुनाव प्रचार के दौरान बहुत प्रभावी वक्ता रही हैं और उन्हें खुशी है कि उन्होंने केरल से चुनावी राजनीति में प्रवेश करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि राहुल जी को रायबरेली सीट अवश्य ही अपने पास रखना चाहिए, यह उत्तर प्रदेश और सामान्य रूप से उत्तर भारत के लोगों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण संकेत है।'' खुले वाहन में सवार होकर निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करते हुए मतदाताओं का आभार व्यक्त कर रहे थरूर ने कहा, साथ ही, वह (राहुल) यह भी महसूस नहीं करना चाहते थे कि वह वायनाड के लोगों को छोड़ रहे हैं... और इसे अपनी बहन को सौंपना बेहतर है। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक शानदार फैसला है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों से उनकी प्राथमिकता भी यही थी, जब यह स्पष्ट हो गया था कि राहुल को इनमें से किसी एक को चुनना है। थरूर ने कहा, मैं निश्चित रूप से यह उल्लेख कर सकता हूं कि पिछले कुछ हफ्तों से यह मेरी अपनी प्राथमिकता थी, जब यह स्पष्ट हो गया था कि उन्हें इनमें से किसी एक को चुनना है और मुझे लगा कि यह सही विकल्प है और मैं इसकी दिल से सराहना करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रियंका वाराणसी में भी एक बेहतरीन उम्मीदवार हो सकती थीं, खासकर यह देखते हुए कि कांग्रेस उम्मीदवार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कितना अच्छा प्रदर्शन किया। थरूर को लगता है कि प्रियंका वायनाड सीट पर आसानी से जीत हासिल करेंगी। मुझे लगता है कि वायनाड सीट जीत कर वह संसद में बहुत मजबूत आवाज बनेंगी। हम सभी ने उन्हें चुनाव प्रचार के दौरान बोलते हुए देखा है। वह हमारे पास मौजूद सबसे प्रभावशाली वक्ताओं और प्रचारकों में से एक हैं और उनका लोकसभा में होना पार्टी के लिहाज से भी अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि एक परिवार को निशाना बनाना और उस पर परिवारवादी होने का आरोप लगाना दुर्भाग्यपूर्ण है, जबकि यह व्यवस्था हमारी संस्कृति में समाहित है। उन्होंने कहा कि खबरों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 15 सांसद राजनीतिक परिवारों से हैं और यह कम आकलन होगा क्योंकि कई और सांसद राजनीतिक परिवारों से आते होंगे।

थरूर ने कहा, हमारी संस्कृति में, दंत चिकित्सक चाहते हैं कि उनके बच्चे दंत चिकित्सक बनें, कलाकार चाहते हैं कि उनके बच्चे कलाकार बनें और राजनीति में भी यही होता है। इस बात से थरूर ने इंकार किया कि उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान तिरुवनंतपुरम जिले के कांग्रेस नेताओं के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी से शिकायत की है। उन्होंने कहा नहीं...नहीं। मैंने किसी से शिकायत नहीं की। हम सभी ने अपना काम किया है, पार्टी कार्यकर्ताओं ने अपना काम किया है और हमें जीत की बात करनी है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

समय की मांग, अब बने देश की एक जलनीति

सबसे बड़ी चिंता की बात है देश की राजधानी दिल्ली पिछले 15 दिनों से पानी के संकट से जूझ रही है। आलम यह है की पानी के टैंकरों व नहरों की सुरक्षा बलों द्वारा निगरानी की जा रही है तो वहीं वहां पर राजनीति की वजह से भी पानी का संकट दूर नहीं हो पा रहा है। अभी कुछ दिन पहले दक्षिण के बड़े शहर बेंगलुरू भी पानी संकट से जूझ रहा था। ऐसा संकट कमोवेश कई राज्यों में देखने को मिलता रहता है।

इस समय देश दो तरफ से मार खा रहा है। एक ओर भारत के कई हिस्सों में प्रचंड गर्मी कहर बनकर बरस रही है। तो दूसरी तरफ पानी का संकट बना हुआ है। सबसे बड़ी चिंता की बात है देश की राजधानी दिल्ली पिछले 15 दिनों से पानी के संकट से जूझ रही है। आलम यह है की पानी के टैंकरों व नहरों की सुरक्षा बलों द्वारा निगरानी की जा रही है तो वहीं वहां पर राजनीति की वजह से भी पानी का संकट दूर नहीं हो पा रहा है। अभी कुछ दिन पहले दक्षिण के बड़े शहर बेंगलुरू भी पानी संकट से जूझ रहा था। ऐसा संकट कमोवेश कई राज्यों में देखने को मिलता रहता है। इन सबकों देखकर अब पूरे देश में एक जलनीति बनाने की जरूरत है ताकि पानी को लेकर सियासी संकट न हो। वहीं पानी जैसी बुनियादी जरूरत की किल्लत सबसे ज्यादा मार करती है गरीबों पर। अमीर तबका पानी खरीदकर अपनी प्यास बुझा सकता है, लेकिन टैंकर के पीछे दौड़ने और सार्वजनिक नलों पर धूप में लंबी लाइन लगाने वाली आम जनता कहां जाए? भीषण गर्मी के बीच दिल्ली के लोगों को पानी की कटौती का भी सामना करना पड़ रहा है।

इन हालात में दिल्ली ने पड़ोसी राज्य हरियाणा से मानवता के आधार पर अधिक पानी देने की अपील की है। अगर हरियाणा के पास अधिक पानी है तो उसे दिल्ली की मदद जरूर करनी चाहिए। जल संकट का मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा हुआ है। हालांकि शीर्ष अदालत का यह कहना बिल्कुल सही है कि उसके पास पानी के बंटवारे का फॉर्मूला तय करने की विशेषज्ञता नहीं। पानी की समस्या केवल दिल्ली की नहीं, देश के लगभग सभी बड़े शहर इससे जूझ रहे हैं। हमारे शहर जिस संकट का सामना कर रहे हैं, वह केवल इस साल की कहानी नहीं है। जलवायु परिवर्तन का असर गहराने के साथ यह संकट भी बढ़ता जाएगा। इससे बचने के लिए प्रभावी और दूरगामी कदम उठाने होंगे। हमारी नदियों में पानी की गुणवत्ता और खराब होती जा रही है। तमाम नदियों का पानी तो अब जानवरों के पीने लायक भी नहीं बचा है। यही हाल तालाब, कुओं और दूसरे जलाशयों का भी है। कई जगह अतिक्रमण हो चुका है। इस पर सख्त एक्शन लेना होगा। पानी जैसी बुनियादी जरूरत की किल्लत सबसे ज्यादा मार करती है गरीबों पर। अमीर तबका पानी खरीदकर अपनी प्यास बुझा सकता है, लेकिन टैंकर के पीछे दौड़ने और सार्वजनिक नलों पर धूप में लंबी लाइन लगाने वाली आम जनता कहां जाए?। सरकारों के साथ आमजन को भी अब सचेत होना होगा। अगर अब भी हम नहीं संभले तो आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत भयावह समय आने वाला है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खेती लाभकारी बनी तो रुकेगा युवाओं का पलायन

देविंदर शर्मा

पिछले 10 वर्षों में ग्रामीण मजदूरी स्थिर है या घटती रही है, और खेती घाटे का सौदा बनी हुई है। ऐसे में चुनावी नतीजों में किसानों का मोहभंग निति रूप से झलकता है। सत्तासीन दल को न केवल किसानों के प्रति उपेक्षा और उदासीनता बल्कि उनके विरोध-प्रदर्शनों के समक्ष मनमानी और पुलिस दमन का भी परिणाम भुगतना पड़ा। बताते हैं कि पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में किसानों के प्रभाव वाले कम से कम 38 संसदीय सीटें कांग्रेस के खाते में गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की दिक्कतों को स्वीकार किया, जब उन्होंने परिणाम के बाद भाजपा मुख्यालय में विजय भाषण में कहा 'हम बीजों की खरीद के स्तर से लेकर बाजारों में बिक्री के स्तर तक कृषि को आधुनिक बनाने के कार्य को प्राथमिकता देते रहेंगे।

दालों से लेकर खाद्य तेलों तक, हम अपने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार काम करेंगे।' लेकिन आगे बढ़ने से पहले, मुझे लगता है कि पहले यह समझना जरूरी है कि कृषि संकट नाकाफी आधुनिकीकरण के कारण है या इसलिए है कि कृषि को जान-बूझकर दरिद्र रखा गया है। हम किसानों को गारंटीशुदा कीमत न देने के सवाल पर आंखें मूंदकर नहीं बैठ सकते, ताकि पहले आजीविका के गंभीर मुद्दों पर ध्यान दिया जा सके। इसे समझाने के लिए हरियाणा का उदाहरण दिया जा सकता है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हरियाणा ने कृषि उत्पादन के मामले में प्रभावशाली प्रदर्शन करने के लिए निश्चित रूप से लंबी छलांग लगाई है। न केवल खाद्यान्न में आत्मनिर्भर होने के कारण बल्कि इसने विभिन्न कृषि जिंसों में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है। कई साल तक हरियाणा केंद्रीय भंडार में सरप्लस गेहूं और चावल का दूसरा सबसे बड़ा योगदान करने वाला राज्य रहा है। अब भी, सेंट्रल पूल में अतिरिक्त फूड स्टॉक आपूर्ति में इसका हिस्सा 16 फीसदी है। कई विशेषज्ञ कहेंगे कि इसका समाधान फसल विविधीकरण में है। परंतु जो बात बड़ी आसानी से नजरअंदाज कर दी जाती है वो यह कि विविधीकरण के लिए पहली जरूरत है यह यकीनी बनाना कि मुहैया कराये जा रहे विकल्पों से होने वाली शुद्ध प्राप्ति किसानों को गेहूं और धान फसल चक्र से होने वाली कमाई से कम न हो।

हालांकि किसानों को गेहूं और धान पर एमएसपी मिलता है, लेकिन यह

अपेक्षित लागत और लाभप्रदता के अनुरूप नहीं होता है। किसी भी हालत में पहला कदम तो स्वामीनाथन कमीशन के फॉमूले के अनुसार कीमत गारंटी यकीनी बनाना होना चाहिये। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सघन खेती की पद्धतियों के चलते कृषि कार्यों में स्थिरता का संकट है, लेकिन दशकों से कृषि आय में उतरोतर तीव्र गिरावट ने खेती को अलाभकारी बना दिया है। यह बात बड़े ही आराम से छुपा दी जाती है। हाल ही के वर्षों में हरियाणा के युवाओं में पैदा हुई प्रवास की ललक ग्रामीण परिवेश में छाये संकट का सबूत है। किसी भी गांव में चले जाइये, आपको किस्से सुनने को मिलेंगे कि विदेश के सपनों को पूरा करने के लिए जमीन बेची जा रही है। खेती से ज्यादा कुछ नहीं प्राप्त हो रहा, और शहरों में जॉब के अवसर सीमित होने के चलते किसानों के पास जमीन बेचकर अपने बच्चों को विदेश भेजने के अलावा विकल्प कम ही बचता है। यहां तक कि बच्चों को विदेश भेजने का क्रेज अनुसूचित जाति के परिवारों में भी बढ़ रहा है, जिनमें से कई ने तो बच्चों को बाहर भेजने के लिए भारी-भरकम कर्ज भी लिया है। कैथल जिले के धेरड़ू गांव के 70 वर्षीय किसान मीडिया को गर्व से बताते हैं, 'हमारे गांव से ज्यादातर लड़के जा चुके हैं। यहां पीछे केवल उनके अभिभावक ही रहते हैं। हमारे गांव में कुल 1100 वोट हैं। और यदि सभी लोग वोट डालें तो भी 800 से अधिक नहीं बनेंगी। बाकी तो बाहर चले गये हैं।' जगह-जगह लगे दिखाई दे रहे आइल्ट्स कोर्सेज के साइन-बोर्ड, और युवाओं को झटपट वीसा व रोजगार दिलाने को लेकर लुभाते बिलबोर्ड्स एक चिंताजनक प्रवृत्ति है। विदेश में रोजगार की ललक यहां तक है कि हरियाणा से बड़ी तादाद में उम्मीदवार युद्ध ग्रस्त इस्राइल में कम वेतन वाली नौकरियों के लिए पहुंचे, बावजूद इस जानकारी के कि वहां उनकी जान का खतरा है।

यहां तक कि जान जोखिम में डालने वाली नौकरियों के लिए भी बेताबी साफ नजर आती है। निश्चित तौर पर कोई असहमत हो सकता है परंतु यह परेशान करने वाला प्रवास का रुझान पलट सकता था यदि कृषि आर्थिक तौर पर व्यवहार्य और लाभकारी उद्यम के रूप में उभर जाती। दरअसल, हर कोई कृषि में स्थिरता और आर्थिक जीवनी-शक्ति के संकट से बाहर निकलने के समाधान के तौर पर फसल विविधीकरण की बात करता है, लेकिन यह किसानों के लिए कारगर नहीं हो रहा है।

खनिज दोहन हेतु रूस-चीन ने बदली तालिबान नीति

पुष्परंजन

वर्ष 2022 में अफगान अमीरात सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने जब पहली बार सेंट पीटर्सबर्ग अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मंच का दौरा किया, तो यह चर्चा का विषय था कि पुतिन क्या फिर से ग्रेट गेम खेलना चाहते हैं? हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आदतन कोई बात सीधे तौर पर स्वीकार नहीं करते, लेकिन उन्होंने कहा कि इस्लामिक अमीरात के साथ संबंध बनाने के लिए यह कदम जरूरी था। मार्च, 2022 में, रूस-अफगानिस्तान ने आधिकारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए। कजाकिस्तान 2023 में तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाने वाला पहला देश था। विशेषज्ञों का मानना है कि मास्को के इशारे पर ऐसा कुछ हुआ था। रूस के खेल से पश्चिमी देश अबूझ हों, यह गलतफहमी कोई नहीं पालता। इसकी काट के वास्ते संयुक्त अरब अमीरात को हर समय आगे रखा जाता है।

मई, 2023 में अफगानिस्तान पर पहली दोहा बैठक हुई थी, जिसकी अध्यक्षता संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने की। लेकिन 18-19 फरवरी, 2024 को दूसरी दोहा बैठक में इस्लामिक अमीरात शर्तें पूरी न होने के कारण शामिल नहीं हुआ। जिसके लिए बैठक हो, और वही अनुपस्थित रहे, तो दोहा-टू का मजाक बनना स्वाभाविक था। अब, तीसरी बैठक 30 जून और 1 जुलाई, 2024 को निर्धारित है। पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र राजनीतिक मामलों के अवर महासचिव रोजमेरी डिकार्लो, कतर के उपविदेश मंत्री, इस्लामिक सहयोग संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल और यूरोपीय संघ के विशेष प्रतिनिधि थॉमस निकलसन ने काबुल का दौरा किया था। इससे पहले सुरक्षा परिषद के अनुरोध पर 25 अप्रैल, 2024 को, संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने स्वतंत्र मूल्यांकन करने के लिए तुर्की के राजनयिक फरीदुन सिनिरिलियोग्लू को विशेष समन्वयक नियुक्त किया था। लेकिन फरीदुन सिनिरिलियोग्लू ने जो मसौदे दोहा-3 बैठक के लिए तैयार किये, उसमें काफी रद्दोबदल किये जा चुके हैं।

यह सब होने के बाद ही अमीरात के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने तीसरी दोहा बैठक में अंतरिम सरकार के प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी की घोषणा की है। दोहा-3 बैठक में अमीरात के विदेश मंत्री वित्तीय, बैंकिंग, ड्रग नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर विमर्श के लिए सहमत हैं। अब सवाल यह है कि क्या पश्चिमी देश मान लेंगे कि अफगान औरतों को शिक्षा-रोजगार से दूर रखने का जो जघन्य कर्म अमीरात ने किया, मानवाधिकारों का दमन किया, वो सही है? रूस ने भी अमीरात पर औरतों के हक को लेकर शायद ही कभी दबाव बनाया हो। इस्लामिक अमीरात अक्सर रूसी सुरक्षा सम्मेलनों में साझेदार बना है। 8 फरवरी, 2023 को भारत, ईरान, किर्गिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) ने अफगानिस्तान पर पांचवें बहुपक्षीय सुरक्षा वार्ता के लिए मास्को में मुलाकात की। इसके प्रकारांतर सितंबर, 2023 में चीन, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के विशेष प्रतिनिधियों को जुटाकर 'अफगानिस्तान पर मास्को प्रारूप परामर्श' की पांचवीं बैठक आयोजित की गई थी।

बैठक में अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेशमंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने भी भाग लिया था। इतना ही नहीं, रूस-चीन की पहल पर शंघाई कोऑपरेशन आर्गेनाइजेशन संपर्क समूह में भी अफगानिस्तान को लाने के प्रयास किये गये। यह रोचक है कि 29 जनवरी, 2024 को तालिबान प्रशासन ने काबुल में 'अफगानिस्तान क्षेत्रीय सहयोग पहल' नामक पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक की मेजबानी की, जिसमें रूस, चीन, ईरान, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्की, तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, इंडोनेशिया और भारत सहित यूरेशियन क्षेत्र के 11 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। ऐसे में कैसे कह सकते हैं, कि अमीरात शासन को 'आइसोलेट' कर दिया गया? बर्लिन स्थित काउंटर एक्सट्रीमिज्म प्रोजेक्ट (सीईपी) के मध्य-पूर्व विशेषज्ञ, हैंस जैकब शिंडलर का मानना है कि रूस का विदेश मंत्रालय तालिबान को आतंकवादी समूह की सूची से हटाने के बदले में काफी-कुछ उम्मीद कर सकता है। लेकिन ऐसा कहना आसान है, करना मुश्किल। तालिबान हमेशा रियायतें स्वीकार करने के लिए इच्छुक होते हैं, लेकिन जब उन्हें बदले में देने की बात आती है, तो उनके लिए चीजें जटिल हो जाती हैं।' अफगानिस्तान एनालिस्ट नेटवर्क के सह-संस्थापक थॉमस रुटिग ने भी क्रेमलिन के हालिया प्रयासों को मल्टी टास्क रणनीति के रूप में व्याख्यायित किया, जो इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता देने की दिशा में बढ़ रही है।

शिंडलर और रुटिग दोनों इस बात पर सहमत हैं कि तालिबान को आतंकवादी संगठन के रूप में सूची से हटाने के बाद अगला कदम उसे वैध राज्य शक्ति के रूप में आधिकारिक मान्यता देना हो सकता है। दोनों की बात कुछ हद तक सही है। ऐसी कवायद दोहा से मास्को तक चल रही है। थोड़ी देर के लिए हम यदि इसे तालिबान नीति की सफलता मान भी लें, तो आने वाले समय के लिए यह सुखद संदेश नहीं देता है। तालिबान पहले 1996 और 2001 के बीच अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज थे। दो दशक बाद, तालिबान की वापसी का मतलब, इस्लामी कानून की संकीर्ण व्याख्या की बहाली भी रही है। यदि मल्टीपोलर वर्ल्ड अपने कूटनीतिक स्वार्थों की वजह से मानवाधिकारों का हनन, विशेष रूप से महिलाओं-बच्चियों पर व्यापक प्रतिबंध को भी स्वीकार करता है, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

योग दिवस का महत्व

इस वर्ष दुनिया भर में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस दिन लोग पार्क अथवा किसी खुले स्थान पर एकत्र होकर सामूहिक रूप से योग के विभिन्न आसन करते हैं। योग के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु हर साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। मान्यता है कि योग की उत्पत्ति हजारों साल पहले भारत में हुई थी। इसका उल्लेख ऋग्वेद जैसी प्राचीन पौराणिक पुस्तकों में भी मिलता है। प्रतिदिन योग का अभ्यास करने से मनुष्य के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही इससे शरीर में लचीलापन, मांसपेशियों की ताकत और बॉडी टोन बढ़ाने में भी मदद करता है। योग के विभिन्न आसनों से श्वसन, ऊर्जा और जीवन शैली में सुधार आता है। यह तनाव और चिंता को आपके अनुरूप मैनेज करने में मदद करता है और तनाव मुक्त रखता है।

क्या है योग

योग शारीरिक व्यायाम, शारीरिक मुद्रा (आसन), ध्यान, सांस लेने की तकनीकों और व्यायाम को जोड़ता है। इस शब्द का अर्थ ही योग या भौतिक का स्वयं के भीतर आध्यात्मिक के साथ मिलन है। यह सार्वभौमिक चेतना के साथ व्यक्तिगत चेतना के मिलन का भी प्रतीक है, जो मन और शरीर, मानव और प्रकृति के बीच एक पूर्ण सामंजस्य का संकेत देता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का इतिहास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विचार पहली बार भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 27 सितंबर, 2014 को आया, जब उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान प्रस्तावित किया था। इसके बाद, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक मसौदा संकल्प संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत अशोक कुमार मुखर्जी द्वारा पेश किया गया था। इस मसौदे को 177 देशों से समर्थन प्राप्त हुआ। यह भारत के लिए गौरव की बात थी, जो किसी भी यूएनजीए प्रस्ताव के लिए सह-प्रायोजकों की सबसे बड़ी संख्या है। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून 2015 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित करते हुए पहली बार आयोजन किया गया। जो आज भी विश्वव्यापी समर्थन के साथ जारी है।

योग दिवस 2024 की थीम

इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम महिला सशक्तिकरण के लिए योग के साथ मनाया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रत्येक वर्ष 21 जून को मनाया जाता है। इस वर्ष 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस विषय का बहुआयामी महत्व है, इसका लक्ष्य योग को एक उपकरण के रूप में उपयोग करके महिलाओं के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देना है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि महिलाएं स्वस्थ और आत्मविश्वास से भरपूर हों और समाज में अग्रणी भूमिका निभा रहीं है। योग आत्म-जागरूकता और आत्म-स्वीकृति को बढ़ावा देता है, जो महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बढ़ा सकता है, जिससे महिलाओं को अपने लक्ष्यों और आकांक्षाओं को पूरा करने की शक्ति मिलती है।

21 जून को ही क्यों मनाया जाता है योग दिवस

21 जून की तारीख इसलिए चुनी गई क्योंकि यह ग्रीष्म संक्रांति है, जिस दिन साल के हर दूसरे दिन में सबसे ज्यादा सूरज निकलता है। 21 जून, 2015 को, प्रधानमंत्री मोदी सहित लगभग 36,000 लोगों और दुनिया भर के कई अन्य हाई-प्रोफाइल राजनीतिक हस्तियों ने नई दिल्ली में 35 मिनट के लिए 21 आसन (योग आसन) किए, जो पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस था।

योग मन को रखता है शांत

हर साल की तरह इस बार भी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारतीय संस्कृति से उपजी योग की एक प्राचीन प्रथा है, जो किसी भी व्यक्ति के मानसिक और सामाजिक अस्तित्व को बढ़ावा देने के साथ-साथ तन और मन को संतुलित करने के लिए जानी जाती है। भारतीय संस्कृति से उपजी योग की प्राचीन प्रथा व्यापक रूप से किसी व्यक्ति के शरीर और मन को संतुलित करने के लिए जानी जाती है। योग शक्ति और लचीलापन बनाने में भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है, और तनाव प्रबंधन निमित एक शानदार उपकरण है। संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार 'योग का सार संतुलन है' यह न केवल शरीर को स्वस्थ एवं फुर्तीला बनाता है, दुनिया के साथ मानवीय संबंधों में भी संतुलन का प्रतीक है। योग ध्यान, संयम, अनुशासन और दृढ़ता के मूल्यों पर जोर देता है।

हंसना मना है

बड़ी दुविधा होती रही थी जब- बायोलॉजी के टीचर ने पढाया- सेल मतलब 'शरीर की कोशिकाएं'। फिजिक्स के टीचर ने पढ़ाया- सेल मतलब 'बैटरी', इकोनॉमिक्स के टीचर ने पढ़ाया- सेल मतलब 'बिक्री', हिस्ट्री के टीचर ने पढाया - सेल मतलब 'जेल', अंग्रेजी के टीचर ने पढ़ाया- सेल मतलब 'मोबाइल' और सच्चा ज्ञान तब मिला जब पत्नी ने बताया सेल मतलब साड़ियों पर 'डिस्काउंट'!

आज़ एक भाई मिले, मुझे कहा- पहचानते हो? मैंने कहा- याद नहीं आ रहा श्रीमान.. फेसबुक या व्हॉट्सएप ? उसनें कहा-12 साल से आपके सामनें रहता हूं !

बैंक लुटने के बाद डाकू - तुमने मुझे देखा? कलर्क - हां। डाकू ने कलर्क को गोली मार कर एक आदमी से पुछा - तुमने कुछ देखा आदमी - नहीं, पर मेरी पत्नी ने देखा है, साथ में कह रही है, पुलिस को भी बतायेगी।

आंटी —बेटी तुम वही हो न जो फ्रॉक से नाक पोंछती थी लड़की — नहीं, आंटी मैं वो हूं जिससे आप पड़ोस वाले अंकल को लव लेटर भिजवाती थी। कुछ याद आया..

कहानी — मित्र-द्रोह का फल

हिम्मत नगर में दो पक्के दोस्त धर्मबुद्धि और पापबुद्धि रहा करते थे। एक दिन पापबुद्धि के मन में ख्याल आया कि क्यों न दूसरे नगर जाकर कुछ पैसा कमाया जाए। उसने सोचा धर्मबुद्धि को भी साथ लेकर जाएगा, फिर लौटते समय वो धर्मबुद्धि से उसका पैसा किसी तरह से हड़प लेगा। उसने धर्मबुद्धि को दूसरे शहर जाने के लिए मना लिया। दोनों अपने नगर से खूब सारा सामान लेकर दूसरे शहर पहुंच गए। दोनों ने सामान को काफी अच्छी कीमत में बेचा। जब दोनों ने अच्छी-खासी रकम इकट्ठा कर ली, तो दोनों एक दिन अपने नगर की ओर लौटने लगे। पापबुद्धि अपने दोस्त धर्मबुद्धि को जंगल के रास्ते से लेकर आया। रास्ते पर चलते-चलते पापबुद्धि ने धर्मबुद्धि से कहा, मित्र देखो, अगर हम अपने नगर इतना सारा धन लेकर जाते हैं, तो समस्या हो सकती है। चोर इसे चुरा सकते हैं, लोग जलने लगेंगे और कुछ उधार भी मांग लेंगे। ऐसे में हम आधा धन इसी जंगल में छिपा देते हैं। धर्मबुद्धि ने पापबुद्धि की बातों पर यकीन करके धन को छुपाने के लिए हां कर दी। पापबुद्धि ने गड्ढा खोदकर धन को एक पेड़ के पास छिपा दिया। फिर कुछ दिनों बाद पापबुद्धि अकेले सारा धन उस जंगल से लेकर आ गया। एक दिन धर्मबुद्धि को पैसे की जरूरत पड़ी। तो पापबुद्धि से कहने लगा, मुझे पैसों की जरूरत है, जंगल से पैसे निकालकर ले आते हैं। पापबुद्धि राजी हो गया और दोनों जंगल की ओर निकल गए। जैसे ही धर्मबुद्धि ने गड्ढा खोदा, तो वहां पैसा न देखकर चौंक गया। इतने में पापबुद्धि ने शोर मचाना शुरू कर दिया और धर्मबुद्धि पर चोरी का आरोप लगाया। और पापबुद्धि न्यायालय पहुंचा। न्यायाधीश ने सारा मामला सुना तो सच्चाई का पता लगाने के लिए अपनी दिव्य शक्ति से परीक्षा लेने का निर्णय लिया। न्यायाधीश ने दोनों को आग में हाथ डालने का आदेश दिया। पापबुद्धि ने कहा, अग्नि में हाथ डालने की कोई जरूरत नहीं है, खुद वन देव मेरी सच्चाई की गवाही देंगे। न्यायाधीश ने उसकी बात मान ली। पापबुद्धि पास के ही एक सूखे पेड़ में छिप गया। जैसे ही न्यायाधीश ने वन देवता से पूछा कि आखिर धन की चोरी किसने की तो जंगल से आवाज आई, धर्मबुद्धि ने चोरी की है। धर्मबुद्धि ने जिस पेड़ की तरफ से आवाज आई, उसी पेड़ को आग के हवाले कर दिया। आग लगते ही पेड़ से चिल्लाते हुए पापबुद्धि बाहर निकला और झुलसी हालात में सारा सच बयां कर दिया। सच्चाई का पता चलते ही न्यायाशीध ने पापबुद्धि को फांसी की सजा सुना दी और धर्मबुद्धि को उसके पैसे दिलवा दिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी।

वृषभ

विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

मिथुन

यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा।

कर्क

किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी। आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

सिंह

धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

कन्या

विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं।

तुला

कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। शत्रु पस्त होंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृश्चिक

किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

धनु

कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मकर

कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें।

कुम्भ

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मीन

भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंग। कार्य में सफलता मिलेगी।

सरफिरा का ट्रेलर लांच

एक रुपये लेकर सपने साकार करने चले अक्षय

बॉलीवुड | मसाला

रो अक्षय कुमार को कुछ समय से बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं हो पाई है। हालांकि, वह लगातार नई कहानी के साथ नए प्रोजेक्ट्स का ऐलान कर रहे हैं। अब उनकी अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट में एक नाम सरफिरा का भी जुड़ गया है, जिसका ट्रेलर भी रिलीज कर दिया गया है। मेकर्स ने इस फिल्म में एक बार फिर से अक्षय को दिलचस्प अंदाज में दिखाने की कोशिश की है। हालांकि, देखना यह होगा कि फिल्म लोगों को कितनी पसंद आती है। इससे पहले चलिए जान लेते हैं कि कैसा सरफिरा का ट्रेलर।

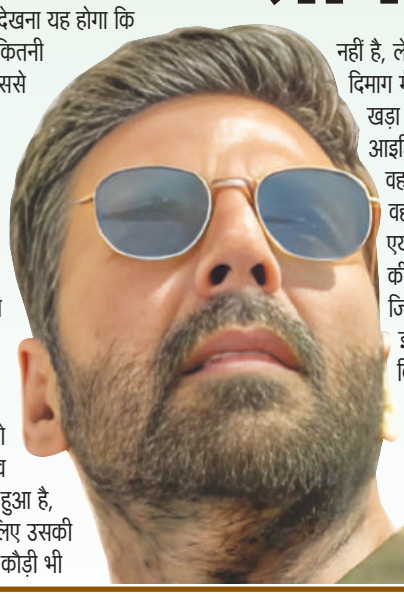

सरफिरा की कहानी जरंडेश्वर के पास एक छोटे से गांव में रहने वाले वीर म्हात्रे (अक्षय कुमार) की है, जो सिर से लेकर पांव तक कर्ज में डूबा हुआ है, जिसे चुकाने के लिए उसकी जेब में एक फूटी कौड़ी भी नहीं है, लेकिन उसके दिमाग में एक बिजनेस खड़ा करने का बड़ा आइडिया जरूर है। वह चाहता है कि वह ऐसी एयरलाइन कंपनी की बनाए, जिसकी टिकट इतनी सस्ती हो कि उसमें आम आदमी भी उड़ान भर पाए। अपने इसी सपने को साकार करने के लिए वीर म्हात्रे देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी के मालिक परेश (परेश रावल) से मिलने के लिए हाथ-पैर मारता है और आखिरकार उसे परेश से बात करने का मौका मिल ही जाता है। हालांकि, परेश उसका आइडिया सुनकर भड़क जाता है और कहता है कि वो ये कभी नहीं चाहेगा कि वो प्लेन में एक टॉयलेट साफ करने वाले के साथ सफर करे। वीर अपने सपनों को टूटने नहीं देता। उसका आइडिया सुन हर कोई उसका मजाक बनाता है। यहां तक कि मामला मीडिया और कोर्ट में भी पहुंच जाता है। फसके बावजूद वीर हार नहीं मानता। वह प्रण लेता है कि वो एक ऐसी एयरलाइन जरूर शुरू करेगा जहां लोग सिर्फ एक रुपये में फ्लाइट की यात्रा कर पाए। अब वीर म्हात्रे अपने इस सपने को साकार करने में किन मुश्किलों से जूझना पड़ेगा इसका फैसला तो वक्त के साथ ही हो पाएगा।

सुधा कोंगरा के निर्देशन में बनी सरफिरा को 2020 में आई साउथ फिल्म सुराराई पोटरु की हिन्दी रीमेक बताई जा रही है, जिसमें सूर्या ने लीड रोल प्ले किया था। वहीं, सरफिरा में अक्षय के अलावा राधिका मदान, परेश रावल और सीमा बिस्वास जैसे सितारे भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। फिल्म 12 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

शूटिंग के दौरान सेट पर हुआ बड़ा हादसा, बाल-बाल बचीं प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इस समय अपनी अपकमिंग हॉलीवुड फिल्म द ब्लफ की शूटिंग में व्यस्त चल रही हैं, जो ऑस्ट्रेलिया में शूट हो रही है। इसी बीच अब खबर आई है कि फिल्म की शूटिंग के दौरान एक्ट्रेस को चोट लग गई है, जिसमें वह बाल-बाल बची हैं। दरअसल, प्रियंका एक सीन को शूट करते हुए प्रियंका के गले पर गहरा कट लग गया है। उन्होंने अपने जख्म की फोटो खुद फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब एक्ट्रेस शूटिंग के दौरान घायल हुई हैं। वह पहले भी कई बार फैंस के साथ चोट लगने की फोटोज शेयर कर चुकी हैं, लेकिन इस बार अगर गले पर लगा कट थोड़ा और गहरा होता तो एक्ट्रेस की जान पर बन आती।

अब उनकी चोट के निशान देख प्रियंका के चाहने वाले उन्हें लेकर काफी परेशान हो गए हैं। एक्ट्रेस की ये फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है।

बता दें कि Frank E Flowers के निर्देशन में बन रही द ब्लफ में प्रियंका चोपड़ा के साथ Karl Urban और Ismael Cruz Córdova जैसे सितारे भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को थिएटर में न रिलीज करके सीधे ओटीटी पर स्ट्रीम किया जाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म अमेजॉन प्राइम वीडियो पर पेश की जाएगी। वहीं, प्रियंका के अपकमिंग वर्क प्रोजेक्ट्स की बात करें तो द ब्लफ के अलावा वह हेड ऑफ स्टेट और सिटाडेल 2 जैसी फिल्मों हॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आने वाली हैं। वहीं, उन्हें बॉलीवुड में जी ले जरा टाइटल से बन रही फिल्म में कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ देखा जाने वाला था, लेकिन अब यह फिल्म ठंडे बस्ते में जा चुकी है।

बॉलीवुड | मन की बात

यौन शोषण का शिकार हो चुकी हैं अविका गौर

हर लड़की को अपनी लाइफ में किसी न किसी तरह की हैरेसमेंट का सामना करना ही पड़ता है, फिर चाहे वह आम लड़की हो या कोई मशहूर हस्ती। इस तरह की मुश्किलें सभी के सामने रहती हैं। यही कारण है कि जानी मानी हस्तियां अपने साथ बॉडीगार्ड्स रखती हैं, लेकिन क्या हो जब रक्षा करने वाले यह बॉडीगार्ड्स ही इस तरह की घटिया हरकतें करना शुरू कर दें। ऐसा ही कुछ एक्ट्रेस अविका गौर को झेलना पड़ा था। इसका खुलासा उन्होंने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू के दौरान किया है। अविका ने कहा कि वह किसी प्रोजेक्ट के सिलसिले में कजाकिस्तान गई थीं। इवेंट के दौरान जब अनाउंस किया गया तो वह स्टेज की ओर बढ़ने लगीं। तभी उन्हें एहसास हुआ कि कोई पीछे से उन्हें गलत ढंग से छू रहा है। एक्ट्रेस ने जैसे ही पीछे मुड़कर देखा तो वहां सिर्फ उनका बॉडीगार्ड खड़ा था। अविका ने बताया कि उन्हें पहले तो समझ ही नहीं आया कि वह क्या करें। एक्ट्रेस ने कहा, मैं इस घटना की वजह से काफी परेशान हो गई थी। मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि क्या करना चाहिए। इसलिए तब मैंने कुछ नहीं किया, लेकिन फिर जब दूसरी बार उसने यही हरकत करने की कोशिश की तो मैंने उसका हाथ पकड़ लिया और उसे रोक दिया। मैंने उसकी ओर देखा और उसने बिना कोई देरी किए मुझसे माफी मांगनी शुरू कर दी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं। इसलिए मैंने उसे जाने दिया। अविका ने कहा, उस समय मुझे पता नहीं था कि इस तरह के हालातों से कैसे निपटना चाहिए, लेकिन अब चीजें बदल चुकी हैं। अब मैं जानती हूं कि मुझे क्या करना है। अगर मुझमें हिम्मत होती तो मैं तब पता नहीं मैं कितने ही लोगों को पलटकर मार चुकी होती, लेकिन अब है मुझमें पलटकर मारने की हिम्मत, साथ ही मैं ये उम्मीद भी करती हूं कि मुझे ऐसी किसी चीज का सामना नहीं करना पड़ेगा। गौरतलब है कि अविका गौर को आज भी ज्यादातर लोग बालिका वधु की आनंदी के नाम से जानते हैं। हालांकि, वह कई बॉलीवुड, साउथ फिल्मों का भी हिस्सा बन चुकी हैं।

गुजरात का एक ऐसा गांव, जहां किसी भी घर में नहीं है दरवाजा

महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर जिले में स्थित शनि शिंगणापुर गांव का बहुत महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि, यहां किसी के घर में दरवाजे नहीं है। क्योंकि यहां चोर चोरी नहीं कर सकता है। ऐसा ही एक सातडा गांव सौराष्ट्र में भी है, जो कि राजकोट से 23 किमी दूर स्थित है। जहां पर भैरवदादा का मंदिर है। इस गांव के घरों में एक भी दरवाजा नहीं है। इसलिए घर पर ताला लगाने की जरूरत नहीं पड़ती है। गांव में रहने वाले भैरव दादा गांव की रक्षा करते हैं। इसलिए इस गांव को सौराष्ट्र के शनि शिंगणापुर के नाम से जाना जाता है। सातड़ा गांव के लोग बताते हैं कि इस गांव में भैरव दादा का निवास है। इसलिए हमारे गांव में कोई चोरी नहीं कर सकता है। गांव में कोई चोर नहीं है। चोर भी आ जाए तो अंधा हो जाता है। इसलिए हमारा गांव मिनी शनि शिंगणापुर के नाम से जाना जाता है। ग्रामीण बताते हैं कि, चार साल पहले चार चोर गांव में चोरी करने आये थे। जो पालीया (मर जाने के बाद स्थल पर लगाया गया पत्थर) बन गए थे, वह पत्थर आज भी मौजूद हैं। आगे कहा कि, अगर चोर हमारे गांव में चोरी करके भी आता है, तो पकड़ा जाता है। आसपास के गांव में चोरी होती है, लेकिन हमारे गांव में नहीं, हमारे गांव में किसी भी घर में दरवाजा नहीं है। सबके घर खुले होते हैं। जो अपने घर में दरवाजा लगाते हैं उनके घर में चोरी होती है। ग्रामीणों का कहना है कि दादा ने कहा है कि मैं इस गांव में हूं। यही कारण है कि हमारे पूर्वजों के समय से इस घर पर किसी ने दस्तक नहीं दी। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। अब विदेश से भी अनेक भक्त दादा के दर्शन के लिए आते हैं।

अजब-गजब | सिर्फ नाखून जितना होता है इस मछली का साइज

जेट फाइटर के बराबर आवाज करती है यह रत्तीभर की मछली

हमारी धरती पर ऐसे बहुत से जीव-जंतु हैं, जिनके बारे में हम नहीं जानते। कुछ तो ऐसे भी हैं, जिनके बारे में हमने कभी सुना भी नहीं होगा। वो तो इंटरनेट की वजह से हमें अधिक से अधिक जीवों के बारे में पता चल गया है लेकिन उनकी खासियत के बारे में सुनकर हम आश्चर्य से भर जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसी ही मछली के बारे में बताएंगे, जो आसपास भी हो, तो आपका जीना मुश्किल कर देगी।

आपने तरह-तरह की मछलियों के बारे में सुना होगा और बहुत सी मछलियों को देखा भी होगा। कुछ मछलियां बहुत विशाल होती हैं, तो कुछ बहुत ही छोटी। आज जिस मछली के बारे में आपको हम बताएंगे, उसका साइज़ इतना कम होता है कि कोई सोच ही नहीं सकता है कि ये इतना तेज शेर मचाती होगी। नाखून जितनी छोटी मछली की आवाज जेट फाइटर से कम नहीं होती।

डेनियोनेला सेरेब्रम (Danionella cerebrum) नाम की इस मछली को साल 1980 में खोजा गया था, लेकिन इसे साल 2021 में पहचाना जा सका। ये बेहद छोटी मछलियों की

प्रजाति से है और इसका साइज सिर्फ नाखून जितना होता है। हाल ही में शोधकर्ताओं को इस मछली के बारे में एक दिलचस्प बात पता चली। अपने सोनिक मसल्स और ड्रमिंग कार्टिलेज के जरिये मछली गोली की आवाज जितनी तेज आवाज कर सकती है। इसकी 10-12 मिलीमीटर से आवाज 140 डीबी हो सकती है। साधारण भाषा में कहा जाए तो ये विमान के उतरते और उड़ते वक्त जितना शोर है।

Senckenberg Natural History Collections के वैज्ञानिक डॉक्टर रॉल्फ ब्रिट्ज ने कहा कि इतने छोटे जीव के लिए ये आवाज काफी तेज है। ऐसा नहीं है कि इससे तेज शोर करने वाले जीव नहीं हैं, लेकिन आमतौर पर शांत मानी जाने वाली मछलियों के लिहाज से ये साउंड काफी ज्यादा है। वीडियो रिकॉर्डिंग से पता चला कि मछली की स्विम ब्लैडर के पास मौजूद एक पसली से ये आवाज आती है।

भारत इंफ्रास्ट्रक्चर में बना रहा है दबदबा : अडानी

क्रिसिल ने आयोजित किया 'इंफ्रास्ट्रक्चर भारत के भविष्य के लिए उत्प्रेरक' का कार्यक्रम

» अडानी समूह के चेयरमैन ने लिया भाग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा क्रिसिल के वार्षिक इंफ्रास्ट्रक्चर समिट में मुख्य वक्ता के रूप में आकर मुझे बहुत सम्मान का एहसास हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए सौभाग्य है कि मुझे एक ऐसे संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोलने का अवसर मिला है जिसने भारत में क्रेडिट रेटिंग और सलाहकार सेवाओं के विकास की नींव रखी है। उन्होंने कहा यह कहा जाता है कि कल की कहानियां आज की नींव पर लिखी जाती हैं। मैं ऐसा इसलिए कहता हूं क्योंकि हमें यह महसूस करने के लिए बस पीछे मुड़कर देखना है कि राष्ट्र के इतिहास में सबसे प्रभावशाली समय वे रहे हैं, जब उन्होंने इफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अपना दबदबा बनाया था।

प्राचीन दुनिया में भी रोमनों ने 4 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों और पुलों का एक विशाल नेटवर्क बनाया था जो नदियों और घाटियों को पार कर जाता था, जिससे सामानों और सेना को आने-जाने में बनाया था जो नादया और घाटिया का पार कर जाता था, जिससे सामाना आर सेना का आन-जान म मदद मिलती थी। इसने उनके पूरे साम्राज्य को जोड़ने में मदद की जो कई देशों में फैला था। रोम की सड़कों ने उन्हें अब तक की सबसे महान सभ्यताओं में से एक बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। उसी तरह, महान औद्योगिक क्रांति, जिसने सड़कों, रेलमार्गों, पोर्ट्स, पुलों और टेलीग्राफ सिस्टम में भारी निवेश देखा और इसके वजह से आर्थिक उछाल आया जिसने ग्रेट ब्रिटेन को दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों में से एक बनने का मार्ग प्रशस्त किया। और हाल के दिनों में, 1970 के दशक के अंत में शुरू हुए चाइनीज इंफ्रास्ट्रक्चर के सुधारों ने इंफ्रास्ट्रक्चर के अब तक के सबसे तेज निर्माण को जन्म दिया।

भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर इंडस्ट्री का आश्चर्यजनक बदलाव

मैं तीन मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करूंगा पहला इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण में सरकारी नीतियों और प्रशासन की भूमिका दूसरा इंफ्रास्ट्रक्चर का भविष्य और सस्टेनेबिलिटी के साथ इंटरकनेक्शन व तीसरा अडानी के फोकस एरिया और हम नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में जो भूमिका निभा रहे हैं। आज भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर इंडस्ट्री एक आश्चर्यजनक बदलाव से गुजर रही है, जिसके प्रभाव को हम एक दशक बाद पीछे मुड़कर देखेंगे तो पूरी तरह से समझ पाएंगे। हमने पहले कभी नहीं देखे गए इंफ्रास्ट्रक्चर कैपेक्स साइकल की शुरुआत कर दी है और यह आने वाले कई दशकों के लिए भारत के विकास की नींव रखता है। और यह सब सुशासन की गुणवत्ता से शुरू होता है। विश्व स्तर पर बहुत कम क्षेत्र, सरकार की नीतियों से जुड़े हुए हैं जितना इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर जुड़ा है। इसलिए पहले मैं भारत और इंफ्रास्ट्रक्चर के भविष्य के बारे में बात करूं, यह महत्वपूर्ण है कि हम समझें कि हमें यहां लाने के लिए नीतिगत बदलाव कैसे आवश्यक थे।

पूर्व पीएम राव व मनमोहन ने दी दिशा

अब मैं आपको 1991 में वापस ले चलता हूं, जिस साल भारत के आर्थिक लिब्रलाइजेशन की शुरुआत हुई थी। उस समय के स्वर्गीय प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव और तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ मनमोहन सिंह द्वारा घोषित सुधारों को सामूहिक रूप से एलपीजी सुधार के रूप में जाना जाने लगा। ये लिब्रलाइजेशन, प्राइवेटाइजेशन और ग्लोबलाइजेशन के लिए खड़े थे। इन सुधारों ने भारत के आर्थिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ को चिन्हित किया और लाइसेंस राज को खत्म कर दिया, जिसने सरकार को लगभग हर उस एरूवल में शामिल देखा, जिसकी व्यवसायों को आवश्यकता थी। 1991 के मार्केट फ्रेंडली रिफॉर्म्स की शुरुआत करके, भारत ने अपने प्राइवेट सेक्टर की क्षमता को अनलॉक कर दिया और इसके बाद के विस्तार के लिए प्लेटफार्म तैयार किया।

मोदी ने छात्रों का भविष्य किया बर्बाद : ओवैसी

» बोले- उच्चतम न्यायालय की निगरानी में हो दोबारा नीट परीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने नीट-यूजी 2024 परीक्षा में कथित अनियमितताओं के लिए केंद्र की राजग पर निशाना साधा और उच्चतम न्यायालय की निगरानी में दोबारा परीक्षा कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा मजाक बन कर रह गई है। देशभर के 12वीं के छात्रों की बोर्ड परीक्षाओं से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उनसे की गई बातचीत पर कटाक्ष करते हुए ओवैसी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने छात्रों का भविष्य बर्बाद कर दिया है और उनके माता-पिता के सपने चकनाचूर कर दिए हैं।

एनटीए ने पांच मई को देशभर के 4,750 केंद्रों पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (स्नातक स्तर) अथवा नीट-यूजी आयोजित की थी, जिसमें लगभग 24 लाख अभ्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। चार जून को परिणाम जारी किए गए थे। बिहार जैसे राज्यों में नीट-यूजी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने और परीक्षा में धांधली के आरोप लगे थे। जिसके बाद कई शहरों में प्रदर्शन भी हुआ था। साथ ही छात्रों ने परीक्षा मेंकथित अनियमितताओं के लिए कई उच्च न्यायालयों के साथ-साथ उच्चतम न्यायालय में याचिकाएं दायर की थीं। ओवैसी ने कहा, भाजपा वालों कुछ शर्म करो। 24 लाख बच्चे परीक्षा में बैठे थे। आप कह रहे हैं कि हम सिर्फ 1500 के लिए दोबारा से परीक्षा आयोजित करेंगे और कृपांक हटाएंगे। परीक्षा दोबारा से कराई जानी चाहिए। एनटीए बकवास है। इसका प्रमुख आरएसएस का एक आदमी है।

हक का पानी नहीं मिला तो अनशन पर बैठूंगी : आतिशी

» दिल्ली जल संकट पर पीएम मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में पानी का जबरदस्त संकट पैदा हो गया है। दिल्ली में क्या आम और क्या खास, हर इलाके में पानी की किल्लत बढ़ गई है। इसे लेकर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली को उसके हक का पानी नहीं मिला तो 21 जून से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठूंगी।

आतिशी ने बताया कि मैंने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखकर विनम्र निवेदन किया है कि वो दिल्ली के लोगों को पानी दिलवाएं, चाहे हरियाणा से पानी दिलवाएं या कहीं और से लेकिन किसी भी तरह से पानी दिलवाएं। अगर 21 जून तक दिल्ली को अपने हक का 100 एमजीडी पानी नहीं मिला तो मुझे पानी के लिए सत्याग्रह शुरू करना पड़ेगा। मैं 21 जून से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठूंगी जबतक दिल्ली वालों को उनके हक का पानी नहीं मिल जाता। एनडीएमसी के सदस्य कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड पिछले कई दिन से एनडीएमसी क्षेत्र में कम पानी दे रहा है। वजीराबाद प्लांट से पानी की सप्लाई बंद कर दी है, जिसके कारण आरएमएल, लेडी हार्डिंग जैसे कई बड़े अस्पतालों को पानी की आपूर्ति करने से परेशानी हो रही है।

अग्निकांड पीड़ितों को दी जाए सहायता : मो. हैदर

» वरिष्ठ अधिवक्ता व सामाजिक कार्यकर्ता ने मदद के लिए बढ़ाए हाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाईकोर्ट लखनऊ के वरिष्ठ अधिवक्ता व सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्द हैदर रिजवी ने जिला लखीमपुर के तहसील व ब्लाक निघासन के गांव मुर्गहा में हुए भीषण अग्निकांड में प्रभावित लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने जहां अपने स्तर से इन पीड़ितों को आर्थिक व कानूनी मदद दी, वहीं उन्होंने प्रदेश से लेकर जिले तक के अधिकारियों को पत्र लिखकर उनकी सहायता की गुहार लगाई है।

श्री हैदर ने उप मुख्यमंत्रियों, समाज कल्याण मंत्री, प्रमुख सचिव ग्राम्य विकास, प्रमुख सचिव राजस्व व दैवीय आपदा ग्राम विकास आयुक्त, जिलाधिकारी लखीमपुर, मुख्य विकास अधिकार व समाज कल्याण अधिकारियों को पत्र लिखकर पीड़ितो की मदद मांगी है।

श्री हैदर ने बताया कि गत 8 जून को ग्राम मुर्गहा में आग लगने से 37 घर प्रभावित हुए थे। वे सारे परिवार अतिनिर्धन की श्रेणी में आते हैं। आग लगने से इन लोगों की पूरी संपत्ति जलकर खाक हो गई। वरिष्ठ अधिवक्ता ने बताया कि जिलाधिकारी द्वारा इन लोगों को राहत सामग्री दी गई जो समाप्त हो चुकी है। अब सरकार से अनुरोध है कि वह उनको मदद दे ताकि वह अपना जीवनयापन सुचारू रुप से चला सकें।

इलाज व विवाह के रुपये भी जलकर स्वाहा

अग्निकांड में कई ऐसे परिवारों पर आफत आई है जिन्होंने बहुत कड़ी मेहनत करके अपनी बेटी की शादी, मरीज के इलाज के लिए धन जोड़ा था। कुछ ने तो अपने खेत व मवेशी भी बेच डाले। एक युवक ओम बाबू नाड़ी रोग पीड़ित है उसका इलाज सलूजा नर्सिंग में हो चल रहा है उसके आपरेशन के लिए उसके पिता ने मवेशी बेचकर 50 हजार रुपये एकत्र किए थे पर वह रुपया आग में स्वाहा हो गया। श्री हैदर ने कहा गर्मी भी प्रचंड पड़ रही है और ये पीड़ित खूले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया

» सुपर-8 के पहले मैच में सॉल्ट और बेयरस्टो ने मचाया धमाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्रोस आइलेट। इंग्लैंड ने गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ विकेट से हरा दिया है। सेंट लूसिया के ग्रोस आइलेट स्थित डैरन सेमी राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को हराकर सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी विंडीज टीम ने 20 ओवर में चार विकेट पर 180 रन बनाए।

जवाब में इंग्लैंड ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 181 रन बनाए और आठ विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत इस मैच में दमदार हुई। फिल सॉल्ट और जोस बटलर के बीच पहले विकेट के लिए 67 रनों की साझेदारी हुई। आठवें ओवर में रॉस्टन चेज ने कप्तान को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह 22 गेंदों में 25 रन बनाकर आउट हुए। टीम को दूसरा झटका मोईन अली के रूप में लगा। उन्हें रसेल ने 11वें ओवर की पहली गेंद पर जॉनसन चार्ल्स के हाथों कैच कराया। वह सिर्फ 13 रन बना सकीं। इसके बाद मोर्चा जॉनी बेयरस्टो ने संभाला। उन्होंने फिल सॉल्ट के साथ तीसरे विकेट के लिए 97 रनों की नाबाद साझेदारी निभाई। पारी के 16वें ओवर में सॉल्ट ने रोमारियो शेफर्ड को निशाना बनाया और 30 रन झटके उन्होंने चौके-छक्कों की बरसात के साथ टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। सॉल्ट इस मुकाबले में 87 रन और बेयरस्टो 48 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज के लिए सिर्फ रसेल और चेज ने एक-एक विकेट चटकाया।

द. अफ्रीका ने यूएसए को 18 रन से हराया

दक्षिण अफ्रीका ने सुपर-8 के पहले मुकाबले में अमेरिका को 18 रन से हरा दिया है। एंटीगुआ में खेले गए सुपर-8 ग्रुप-2 के इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 194 रन बनाए थे। जवाब में अमेरिका की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 176 रन ही बना सकी। अमेरिका की पारी के दौरान 19वें ओवर में कगिसो रबाडा ने हरमीत सिंह का विकेट लेकर मैच पलट दिया। आखिरी दो ओवर में अमेरिका को 28 रन चाहिए थे। तब हरमीत और आंद्रीज गौस क्रीज पर थे। पहली ही गेंद पर हरमीत कैच आउट हो गए। उन्होंने 22 गेंद में 38 रन की पारी खेली थी। गौस के साथ 91 रन की साझेदारी निभाई थी।

तमिलनाडु में अवैध देशी शराब से हुई मौतों पर सियासी बवाल

34 जानें ले लीं घातक मेथनॉल ने

60 से ज्यादा लोग भर्ती हैं अस्पताल में

» राज्यपाल व डीएमके सरकार आमने-सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के कल्लाकुरिचि जिले में कथित तौर पर अवैध देशी शराब पीने से करीब 100 लोग लोग बीमार पड़ गए। देखते ही देखते लोगों की मौत का सिलसिला भी शुरू हो गया। पहले पांच फिर 10 मौतों की खबर आई। गुरुवार सुबह तक 34 लोग जहरीली शराब की भेंट चढ़ गए थे। उधर इस पर सियासत भी शुरू हो गई है। राज्यपाल एन रवि ने राज्य सरकार को घेरा है। हालांकि सीएम ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

उधर अभी 60 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती हैं और जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। सरकार की ओर से बताया गया कि इस सिलसिले में 49 वर्षीय अवैध शराब विक्रेता के. कन्नुकुट्टी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से जब्त की गई करीब 200 लीटर अवैध शराब की जांच में सामने आया कि उसमें घातक मेथनॉल मौजूद था। सरकार के मुताबिक, 20 से अधिक लोगों को को कल्लाकुरिचि मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जिन्होंने उल्टी आने और पेटदर्द होने की शिकायत की थी।

सीबी-सीआईडी जांच का आदेश : स्टालिन

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने इस घटना की सीबी-सीआईडी जांच का आदेश दिया है। सरकार ने घटना के बाद कल्लाकुरिची के जिलाधिकारी श्रवण कुमार जातावथ का तबादला कर दिया, जबकि पुलिस अधीक्षक समय सिंह मीणा को निलंबित कर दिया है। नौ अन्य पुलिसकर्मियों को भी निलंबित कर दिया गया है, जिनमें कल्लाकुरिचि जिले की मद्यनिषेध शाखा के भी पुलिसकर्मी शामिल हैं। सीएम स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में मौतों पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दोषियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और इसे रोकने में विफल रहने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्होंने लोगों द्वारा जानकारी साझा करने पर ऐसे अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई का आश्वासन दिया।

राज्यपाल आरएन रवि ने जनहानि पर दुख व्यक्त किया

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने जनहानि पर दुख व्यक्त किया और चिंता व्यक्त की। राज्यपाल रवि ने राजभवन के आधिकारिक सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि कल्लाकुरिची में अवैध शराब पीने से लोगों की मौत की खबर से गहरा दुख हुआ। कई और पीड़ित गंभीर हालत में हैं और जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं और अस्पतालों में भर्ती लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करता हूं।

मप्र में शराब फैक्ट्री पर कार्यवाही के आदेश पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने आबकारी विभाग के सोम डिस्टरलरीज पर कार्यवाही के आदेश के बाद सवाल उठाए है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि मासूम बचपने को कत्ल करने की सज़ा सिर्फ 20 दिन। उन्होंने आगे लिखा कि प्रदेश में 59 लाइले-लाइलियों से सोम डिस्टरलरीज में बालश्रम करवा रहे थे, लेकिन खानापूर्ति के लिए सोम डिस्टरलरीज़ के लाइसेंस को सिर्फ 20 दिन के लिए निलंबित किया। यह कैसा न्याय है? अरुण यादव ने आगे लिखा कि साथ ही सरकार ने अब तक 583 करोड़ रुपये की वसूली को लेकर कोई कदम नहीं उठाया है और न ही सांठगांठ करने वाली बड़ी मछलियों (नेताओं-अधिकारियों) पर कोई कठोर कार्यवाही की है। अरुण यादव ने सरकार से मांग की है कि लाइसेंस को स्थाई रूप से निरस्त किया जाए। साथ ही तत्काल 583 करोड़ रुपये की वसूली करे और शराब कंपनी से सांठगांठ करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही करे।

आंधी-बारिश ने प्रदेश का लुढ़काया पारा

» पहाड़ से लेकर मैदान तक बदला मौसम का मिजाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीती रात मौसम अचानक बदल गया और धूल भरी आंधी के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई है। मौसम विभाग से मिली सूचना के अनुसार इस दौरान 40 से 60 किमी प्रति घंटे की र तार से हवा चली जिससे तापमान में कुछ कमी आई है। पहाड़ से लेकर मैदान तक मौसम का मिजाज बदला है। लगातार एक महीने से अधिक समय से प्रचंड गर्मी और लू से जूझ रहे दिल्ली-एनसीआर को बुधवार की रात थोड़ी राहत मिली।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हापुड़, मेरठ, बागपत समेत हरियाणा के कई इलाकों में मौसम के इस बदलाव का असर देखा गया। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को भी दिल्ली-एनसीआर में हालात में हल्के सुधार की बात कही है। विभाग ने बताया कि उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी विक्षोभ की स्थिति बन रही है, जिससे दो दिनों तक राहत मिल सकती है। हालांकि, इससे पहले पूरे उत्तर भारत में बारिश न होने से गर्मी की स्थिति जानलेवा बनी रही। यूपी के विभिन्न जिलों में बुधवार को भीषण गर्मी से 91 मौतों की खबर है, जबकि दिल्ली में लू व तेज गर्मी से 24 घंटे में 14 लोगों की मौत हो गई। बीती रात आई तेज आंधी के चलते गांव गोडवा मजरा गणेशपुर में एक सरकारी नलकूप की पक्की दीवार गिर गई। जिससे तालाब में मछलियों की रखवाली कर रहे परसादी (75) घायल हो गए। जबकि उनके साथ झोपड़ी में सो रहे पोते अजय कुमार (15) पुत्र राम मंतर लाल की मौके पर ही मौत हो गई।

पहाड़ी पर अटकी कार बाल बाल बचीं चार जानें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ऋषिकेश/देवप्रयाग। उ राखंड में लगातार हादसों की खबरें सामने आ रही है। आज भी चार जिंदगी बाल-बाल बच गई। सुबह कोडियाला से आगे साकनीधार में ब्रेक फेल होने से एक क्रेन खाई में गिर में गई और एक कार पहाड़ी पर अटक गई। जिसमें चार जिंदगियां फंस गई। सूचना पर एसडीएआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत राहत बचाव कार्य शुरू किया।

» खाई में गिरी क्रेन घायलों को बचाने उतरी एसडीआरएफ

पंजाबी यात्रियों की गाड़ी खराब होने पर उन्होंने क्रेन मंगवाई थी। क्रेन ने कार को टो किया, लेकिन कुछ ही दूरी पर जाकर क्रेन के ब्रेक फेल हो गए। जिस कारण क्रेन दो सौ मीटर गहरी खाई में गिर गई। इस दौरान क्रेन से बंधी कार भी गिर कर पहाड़ी पर अटक गई। दो व्यक्ति कार में और दो क्रेन में सवार थे।

हिंदी नहीं लिख पाईं केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर

» गलत स्पेलिंग लिखी, वीडियो हुआ वायरल

» ठाकुर ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की जगह लिख दिया 'बेटी पढ़ाओ बचाव'

» विपक्ष ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता सावित्री ठाकुर मध्य प्रदेश के धार जिले के एक स्कूल में अपने दौरे के दौरान व्हाइटबोर्ड पर हिंदी में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ सही से नहीं लिख पाईं, जहां से उन्होंने लोकसभा चुनाव जीता है। यह घटना कैमरे के सामने हुई और गलत स्पेलिंग लिखने का उनका वीडियो सोशल मीडिया

पर वायरल हो गया है। उसको लेकर राजनीति भी शुरू हो गई।

कांग्रेस ने भाजपा को घेरा है। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के मीडिया सलाहकार केके मिश्रा ने कहा, एक तरफ देश के नागरिकों के साक्षर होने का दावा किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदार लोगों में साक्षरता की कमी है। तो सच क्या है? यह किसी व्यक्ति विशेष से नहीं बल्कि व्यवस्था से जुड़ा मुद्दा है।

लोकतंत्र का दुर्भाग्य मातृभाषा भी नहीं मालूम : केके मिश्रा

इस घटना के कारण कांग्रेस और भाजपा के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया है। वायरल वीडियो पर प्रतिक्रि या देते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने इसे लोकतंत्र का दुर्भाग्य बताया कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोग अपनी मातृभाषा में भी नहीं लिख सकते। समाचार एजेंसी पीटीआई ने उनके हवाले से कहा, वे अपना मंत्रालय कैसे चला सकते हैं? कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि चुनावों में उम्मीदवारों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता तय करने के लिए संविधान में संशोधन किया जाना चाहिए।

कांग्रेस की क्षुद्र और आदिवासी विरोधी सोच : मनोज सोमानी

भाजपा के धार अध्यक्ष मनोज सोमानी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वायरल वीडियो को लेकर उनका गुस्सा उनकी क्षुद्र और आदिवासी विरोधी सोच का नतीजा है। सोमई ने कहा, सावित्री जी की भावनाएं और उनकी भावनाएं पवित्र हैं। कांग्रेसी अपनी भावनाओं को पवित्र नहीं रख पा रहे हैं। आदिवासी महिला के अपमान को आदिवासी समाज माफ नहीं करेगा।

फोटो: सुमित कुमार

आक्रोश यूजीसी नेट परीक्षा रद्द होने के विरोध में लखनऊ यूनिवर्सिटी के संयुक्त छात्र संगठन व सपा के समर्थकों ने प्रदर्शन किया। जिन्हें हिरासत में ले लिया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वि ीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।